स्टेट ऑफ फूड एंड एग्रीकल्चर रिपोर्ट, 2022

प्रिलिम्स के लिये:

स्टेट ऑफ फूड एंड एग्रीकल्चर रिपोर्ट, 2022, फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गनाइज़ेशन, सतत् विकास लक्ष्य

मेन्स के लिये:

स्टेट ऑफ फूड एंड एग्रीकल्चर रिपोर्ट, 2022, सरकारी नीतियाँ और हस्तक्षेप

चर्चा में क्यों?

हाल ही में खाद्य और कृषि संगठन (FAO) द्वारा स्टेट ऑफ फूड एंड एग्रीकल्चर रिपोर्ट का 2022 संस्करण जारी किया गया।

- **यह फ्लैगशिप रिपोर्ट प्रत्येक वर्ष तैयार की जाती है।**
- रिपोर्ट में इस बात पर ध्यान दिया गया है कि कैसे हमारी कृषि-खाद्य प्रणालियों में ऑटोमेशन सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में योगदान दे सकता है और नीति निर्माताओं को लाभ को अधिकतम करने तथा जोखिमों को कम करने के बारे में सिफारिशें प्रदान करता है।

एग्रीकल्चर ऑटोमेशन:

- **एग्रीकल्चर ऑटोमेशन, जिसमें ट्रैक्टर से लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक शामिल है,** खाद्य उत्पादन को अधिक कुशल और पर्यावरण के अनुकूल बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- यदि छोटे पैमाने के उत्पादकों और अन्य हाशिये के समूहों के लिये ऑटोमेशन तक पहुँच दुर्गम बनी रहती है तो इससे **असमानताओं में भी वृद्धि हो सकती है।**

प्रमुख बिंदु

- रिपोर्ट में विभिन्न तकनीकों का प्रतिनिधित्व करने वाले दुनिया भर के 27 केस स्टडीज़ को शामिल किया गया।
    - 27 सेवा प्रदाताओं में से केवल 10 की स्थिति ही फायदेमंद और आर्थिक रूप से टिकाऊ है।
- प्रति 1,000 हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि के लिये उपलब्ध ट्रैक्टरों की संख्या संबंधी आँकड़ों के अनुसार, **क्षेत्रों में मशीनीकरण की दिशा में असमान प्रगति हुई है।**
- उत्तरी अमेरिका, यूरोप और ओशिनिया के उच्च आय वाले देश 1960 के दशक तक काफी अधिक यंत्रीकृत थे लेकिन **निम्न और मध्यम आय वाले देशों में मशीनीकरण का स्तर निम्न था।**
- विशेष रूप से उप-सहारा अफ्रीका में इसकी सीमितता के साथ **देशों और इनके बीच ऑटोमेशन के प्रसार में व्यापक असमानताएँ रही हैं।**
    - उदाहरण के लिये वर्ष 2005 में **जापान में प्रति 1,000 हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि पर 400 से अधिक ट्रैक्टर** थे, जबकि घाना में यह आँकड़ा केवल 4 था।
    - उप-सहारा अफ्रीका में मानव और पशु शक्ति पर कृषि क्षेत्र की अधिक निर्भरता के कारण उत्पादकता सीमित रही है।

सुझाव:

- एग्रीकल्चर ऑटोमेशन नीति द्वारा **कृषि खाद्य प्रणालियों के टिकाऊ और लचीलेपन** को सुनिश्चित किया जाना चाहिये।
- नीति निर्माताओं को श्रम-प्रचुर क्षेत्रों के संदर्भ में **ऑटोमेशन पर सब्सिडी देने से बचना चाहिये।**
    - एग्रीकल्चर ऑटोमेशन की वजह से ऐसे क्षेत्रों में बेरोज़गारी की स्थिति उत्पन्न हो सकती है जहाँ ग्रामीण श्रमिक प्रचुर मात्रा में होने के

साथ मज़दूरी कम है।

- नीतिनिर्माताओं को **ऑटोमेशन को अपनाने के लिये एक सक्षम वातावरण बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिये**।
- संक्रमण की स्थिति के दौरान नौकरी खोने के अधिक जोखिम वाले **कम कुशल श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जानी चाहिये**।

खाद्य और कृषि संगठन :

- **परिचय:**
  - FAO **संयुक्त राष्ट्र** की एक विशेष एजेंसी है जो भुखमरी की समस्या को समाप्त करने के लिये वैश्विक पहल को निर्देशित करती है।
  - प्रत्येक वर्ष विश्व में **16 अक्तूबर को** **विश्व खाद्य दिवस** मनाया जाता है। यह दिवस FAO की स्थापना की वर्षगाँठ की याद में मनाया जाता है।
  - यह **संयुक्त राष्ट्र के खाद्य सहायता संगठनों में से एक है जो रोम (इटली)** में स्थित है। इसके अलावा **विश्व खाद्य कार्यक्रम** और **कृषि विकास के लिये अंतर्राष्ट्रीय कोष (IFAD)** भी इसमें शामिल हैं।
- **FAO की पहलें:**
  - विश्व स्तरीय महत्त्वपूर्ण कृषि विरासत प्रणाली (GIAHS)।
  - विश्व में **मरुस्थलीय टिड्डी** की स्थिति पर नज़र रखना।
  - FAO और WHO के खाद्य मानक कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के मामलों के संबंध में **कोडेक्स एलेमेंटेरियस आयोग (CAC)** उत्तरदायी निकाय है।
  - खाद्य और कृषि के लिये **प्लांट जेनेटिक रिसोर्सेज़ पर अंतर्राष्ट्रीय संधि** को वर्ष 2001 में FAO के 31वें सत्र में अपनाया गया था।
- **फ्लैगशिप पब्लिकेशन (Flagship Publications):**
  - वैश्विक मत्स्य पालन और एक्वाकल्चर की स्थिति (SOFIA)।
  - विश्व के वनों की स्थिति (SOFO)।
  - **वैश्विक खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति (SOFI)**।
  - खाद्य और कृषि की स्थिति (SOFA)।
  - कृषि कोमोडिटी बाज़ार की स्थिति (SOCO)।

स्रोत: डाउन टू अर्थ

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/state-of-food-and-agriculture-report,-2022